भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ
Bharatiya Pratiraksha Mazdoor Sangh
(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)

(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)

(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE : 2-A, NAVIN MARKET, KANPUR-1 • PH. & FAX : (0512) 2332222
Mob. : 09415733686, 09335621629, 09235729390 • E-mail : gensecbpms@yahoo.co.in, cecbpms@yahoo.in

संदर्भ– बी0पी0एम0एस0 / परिपत्र / 12 / 2015

दिनांक– 29.08.2015

2 सितम्बर 2015 की हड़ताल स्थगित करने का निर्णय

मित्रो जैसा कि हम सभी लोग जानते है कि 2 सितम्बर 2015 को केन्द्रिय श्रम संगठन 12 सूत्रीय मांगो को लेकर हड़ताल पर जाने का निर्णय लिए थे। इस सम्बन्ध मे केन्द्र सरकार ने 5 मंत्रियो का मंत्री समूह बनाकर वार्ता के लिए दिनांक 26 एवं 27 अगस्त को केन्द्रिय श्रम संगठनो को आमंत्रित किया और 12 मे से 7 बिन्दुओ पर सहमति बनी। कुछ मामलो मे संसदीय प्रणाली का हवाला देते हुए समय की मांग की जिन बिन्दुओ पर सहमति बनी वो इस प्रकार है–

1. श्रम कानूनो मे बदलाव के लिए त्रिपक्षीय बोर्ड बनाने पर सहमति बनी।
2. न्यूनतम वेतन 15000 / – रू0 करने पर सरकार ने आश्वासन दिया कि एक समिति बनाकर शीघ्र निर्णय लिया जायेगा।
3. समाजिक सुरक्षा के मुद्दे पर जॉब सिक्योरिटी, सोशल सिक्योरिटी तथा वेज सिक्योरिटी की गारंटी होगी।
4. न्यूनतम वेतन, ई0एस0आई0 और ई0पी0एफ0 के अन्तर्गत आंगनबाड़ी तथा ठेका श्रमिको को भी लाया जायेगा।
5. बोनस की सीलिंग सीमा बढ़ाने मे भी सहमति हुई।
6. यूनियन के अधिकार के सम्बन्ध मे चर्चा हुई ट्रेड यूनियन बनाने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
7. श्रम कानूनो को लागू करने मे त्रिपक्षीय वार्ता के बाद ही निर्णय लिया जायेगा।
8. रोजगार सृजन के सम्बन्ध मे तय हुआ कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम एवं कौशल विकास की ओर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। केन्द्रिय सरकारी कार्यालयो मे भर्ती पर से प्रतिबन्ध समाप्त कर दिया गया हैं। आवश्यकतानुसार नये पद सृजित करने का अधिकार सम्बन्धित विभागो को दे दिया गया है। इस प्रकार सभी मुख्य मुद्दो पर सकारात्मक चर्चा होने के उपरान्त मंत्री समूह ने अनुरोध किया कि सरकार को कुछ समय दिया जाए।

इसलिए भारतीय मजदूर संघ ने निर्णय लिया कि 2 सितम्बर 2015 की हड़ताल को फिलहाल स्थगित किया जाए और सरकार को उचित समय दिया जाए। परन्तु कुछ अन्य संगठनो ने अपनी राजनैतिक प्रतिबद्धता को देखते हुए हड़ताल पर जाने का निर्णय किया है। भारतीय मजदूर संघ ने सभी श्रम संगठनो से अनुरोध किया है कि हम अपनी एकता को बनाये रखने के लिए कार्य करे। यदि सरकार का पक्ष सकारात्मक है तो हमें भी सहयोग करना चाहिए।

पूर्ववर्ती सरकार के समय भी हड़ताल का निश्चय हुआ था। हड़ताल वापस ली गयी जबकि सरकार का सकारात्मक रवैया भी नही था। सरकार ने समय मांगा था, समय दिया गया। फिर आज सरकार हमारे साथ सकारात्मक वार्ता कर रही है। कई मुददो पर सहमति भी बनी है तो सरकार को समय क्यो न दिया जाए।

आपका ही

(साधू सिंह)
संगठन मंत्री